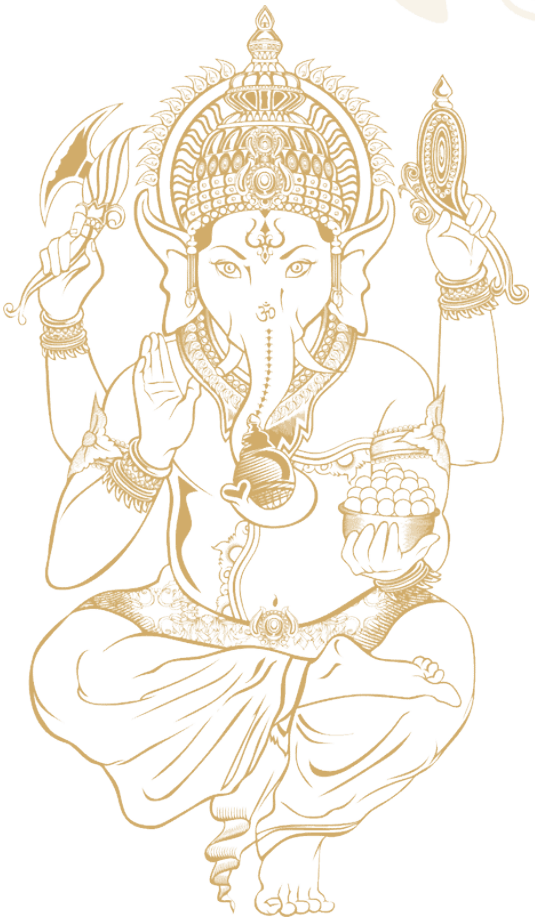

???? ??????

05 Sep 1962

05:00 AM

Calcutta

Model: web-freekundliweb

Order No: 121308905

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/09/1962**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	59:09:53 घटी
स्थान	**Calcutta**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:30:00 उत्तर
रेखांश	88:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:23:20 घंटे
वेलान्तर	00:00:47 घंटे
साम्पातिक काल	04:17:45 घंटे
सूर्योदय	05:20:02 घंटे
सूर्यास्त	17:51:19 घंटे
दिनमान	12:31:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:36:19 सिंह
लग्न के अंश	13:09:53 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ऐन्द्र
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	13:09:53	328:40:41	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			सिंह	18:36:19	00:58:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			तुला	22:29:59	12:03:51	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	15:12:26	00:37:14	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	14:44:17	01:11:02	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु	व		कुंभ	13:48:15	00:07:52	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
शुक्र			तुला	04:44:33	00:57:24	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मक	12:23:01	00:03:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु	व		कर्क	15:03:35	00:03:21	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	15:03:35	00:03:21	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			सिंह	08:16:55	00:03:43	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
नेप			तुला	17:53:13	00:01:20	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
प्लूटो			सिंह	16:36:25	00:02:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	12:58:13	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:19:55

लग्न-चलित

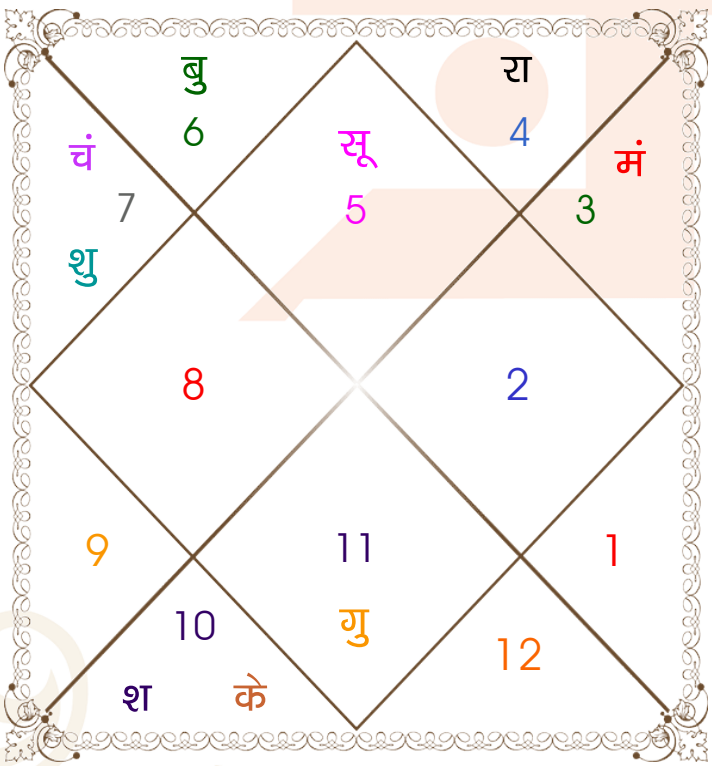

चन्द्र कुंडली

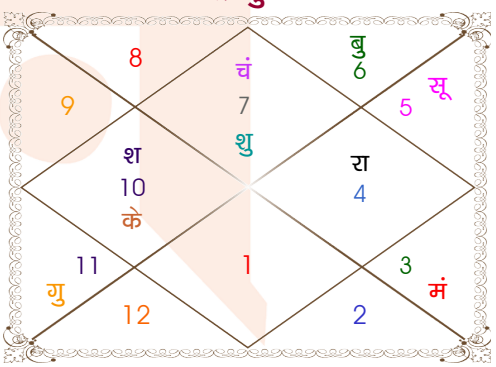

नवमांश कुंडली

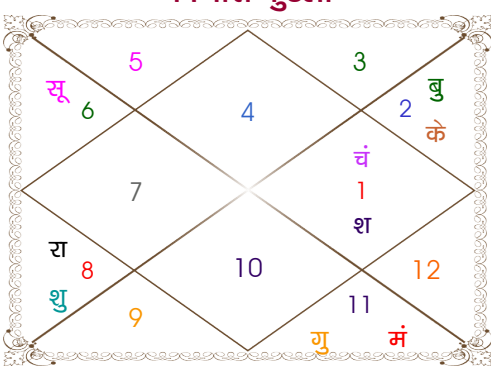

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 0 मास 0 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/09/1962		05/09/1975		05/09/1994		05/09/2011		05/09/2018	
05/09/1975		05/09/1994		05/09/2011		05/09/2018		05/09/2038	
	05/09/1962	शनि	08/09/1978	बुध	31/01/1997	केतु	01/02/2012	शुक्र	04/01/2022
शनि	06/05/1964	बुध	18/05/1981	केतु	29/01/1998	शुक्र	02/04/2013	सूर्य	05/01/2023
बुध	12/08/1966	केतु	27/06/1982	शुक्र	29/11/2000	सूर्य	08/08/2013	चंद्र	04/09/2024
केतु	18/07/1967	शुक्र	26/08/1985	सूर्य	05/10/2001	चंद्र	09/03/2014	मंगल	04/11/2025
शुक्र	18/03/1970	सूर्य	08/08/1986	चंद्र	06/03/2003	मंगल	05/08/2014	राहु	04/11/2028
सूर्य	05/01/1971	चंद्र	09/03/1988	मंगल	03/03/2004	राहु	24/08/2015	गुरु	06/07/2031
चंद्र	06/05/1972	मंगल	18/04/1989	राहु	20/09/2006	गुरु	30/07/2016	शनि	05/09/2034
मंगल	12/04/1973	राहु	23/02/1992	गुरु	26/12/2008	शनि	08/09/2017	बुध	06/07/2037
राहु	05/09/1975	गुरु	05/09/1994	शनि	05/09/2011	बुध	05/09/2018	केतु	05/09/2038

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/09/2038		04/09/2044		05/09/2054		05/09/2061		05/09/2079	
04/09/2044		05/09/2054		05/09/2061		05/09/2079		00/00/0000	
सूर्य	23/12/2038	चंद्र	06/07/2045	मंगल	01/02/2055	राहु	18/05/2064	गुरु	23/10/2081
चंद्र	24/06/2039	मंगल	04/02/2046	राहु	20/02/2056	गुरु	11/10/2066	शनि	05/09/2082
मंगल	30/10/2039	राहु	06/08/2047	गुरु	25/01/2057	शनि	17/08/2069		00/00/0000
राहु	23/09/2040	गुरु	05/12/2048	शनि	06/03/2058	बुध	06/03/2072		00/00/0000
गुरु	12/07/2041	शनि	06/07/2050	बुध	03/03/2059	केतु	24/03/2073		00/00/0000
शनि	24/06/2042	बुध	05/12/2051	केतु	31/07/2059	शुक्र	24/03/2076		00/00/0000
बुध	30/04/2043	केतु	05/07/2052	शुक्र	29/09/2060	सूर्य	16/02/2077		00/00/0000
केतु	05/09/2043	शुक्र	06/03/2054	सूर्य	04/02/2061	चंद्र	18/08/2078		00/00/0000
शुक्र	04/09/2044	सूर्य	05/09/2054	चंद्र	05/09/2061	मंगल	05/09/2079		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 11 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।